अथवा / OR

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर मोक्ष का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए।

Discribe about Moksha according to Mundkopnishada.

8. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain the following Mantra in Sanskrit :

यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो
यस्यामन्नं कृष्टयः सम्बभूवुः ।
यस्यामिदं जिन्वन्ति प्राणदेजत्
सा नो भूमिः पूर्वपेये दधातु ।।

अथवा / OR

अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे ।
यशसं वीरवत्तमम् ।।

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No..............

Maitreyi College ★ Chanakya Puri, New Delhi-110021 ★ LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 4048 C

12 DEC 2022

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

munotes.in

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक-एक मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (6+6=12)

Explain **One** Mantra from each section :

खण्ड (क) / Section A

(अ) अग्निमीळे पुरोहित यज्ञस्य देवमृत्विजम् ।
होतारं रत्नधातमम् ।।

(ब) उषः प्रतीची भुवनानि विश्वोर्ध्वा तिष्ठस्यमृतस्य केतुः ।
समानमर्थं चरणीयमाना चक्रमिव नव्यस्या ववृत्स्व ।।

खण्ड (ख) / Section B

(अ) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः ।
यस्य छायामृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम ।।

Explain any **Two** Mantras choosing one from each section :

खण्ड (क) / Section A

(अ) ब्रह्मा देवानां प्रथमः सम्बभूव विश्वस्य कर्त्ता भुवनस्य गोप्ता ।
स ब्रह्मविद्यां सर्वविद्याप्रतिष्ठामर्थवाय ज्येठपुत्राय प्राह ।।

(ब) काली कराली च मनोजवा च सुलोहिता या च सुधूम्रवर्णा ।
स्फुलिंगिनीविश्वरूपी च देवी लेलायमाना इति सप्त जिह्वाः ।।

खण्ड (ख) / Section B

(अ) शिक्षा कल्पो व्याकरण निरुक्तं छन्दो ज्योतिषमिति ।
अथ परा यया तदक्षरमधिगम्यते ।।

(ब) यं यं लोकं मनसा संविभाति विशुद्धसत्त्वः कामयते यांश्व कामान् ।
तं तं लोकं जायते तांश्च कामांस्तस्मादात्मज्ञं ह्यर्चयेद्भूतिकातः ।।

7. मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परा और अपरा विद्या की व्याख्या कीजिए । (10)

Explain Pra Vidya and Apra Vidya according to Mundkopanishada.

P.T.O.

munotes.in

(ब) नीचा वर्तन्ते उपरि स्फुरन्त्यहस्तासो हस्तवन्तं सहन्ते ।

दिव्या अंगारा इरिणे न्युप्ताः शीताः सन्तो हृदयं निर्दहन्ति ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए : (12)

Translate any **three** out of the following Mantras :

(क) न मां मिमेथ न जिहीळ एषा शिवा सखिभ्य उत मह्यमासीत् ।

अक्षस्याहमेकपरस्य हेतोरनुव्रतामप जायामरोधम् ।।

(ख) अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे ।

यशसं वीरवत्तमम् ।।

(ग) तपसा चीयते ब्रह्म ततः अन्नम् अभिजायते ।

अन्नात् प्राणः मनः सत्यं लोकाः कर्मसु च अमृतम् ।।

3. उषस् के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए । (10)

Describe the Vedic features of **Usas**.

अथवा / OR

संज्ञान सूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

Describe the Social importance of Samjnana Sukta.

P.T.O.

munotes.in

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए : (3+3=6)

Write note on any **Two** of the following :

(क) क्त्वार्थक प्रत्यय

(ख) वैदिक स्वरित

(ग) तुमर्थक प्रत्यय

(घ) वैदिक सुबन्त

5. प्रश्न संख्या एक के खण्ड एक से किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए। (6)

Render into Padapatha any **One** of the Mantras from section A of question No. 1.

अथवा / OR

पदपाठ के प्रमुख छः नियमों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

Describe the Six main rules of Padapatha.

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से **एक** मन्त्र लेकर कुल **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (6+6=12)

munotes.in